प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष तृतीय सत्रार्द्ध

पाठयांश-मैथिलीपरिचय

Course- मैथिलीवाङ्खमयपरिचय

मैथिली साहित्यक इतिहास		
1.	मैथिली साहित्यक इतिहास	6. मैथिली साहित्यक उत्पति 7. विकास 8. उदभव 9. सरंचना 10. विकास क्रम
2.	मैथिली साहित्यक इतिहास	1. मैथिली साहित्यक इतिहास, दुर्गानाथ झा श्रीष, बालगोविन्द झा'व्यथित'2. इतिहास दर्पण वीण ठाकुर 3. मैथिला साहित्यक उद्भव विकास ज्योतिश्वर सॅ लय विद्यापति गोविन्द दास 4. उमापतिक पारिजातहरण नाटक में श्रृंगार रसक अवलोकu
निबंध-संचय		
3.	निबंध संचय	1. विभिन्न विषयवस्तु 2. छात्र द्वारा अवलोकन 3. लिखबाक कला
4.		1. विकसित 2. कला 3. कौशल

प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष तृतीय सत्रार्द्ध

पाठयांश- मैथिलीवाङ्खमयरिचय

Course- मैथिलीवाङ्खमयपरिचय

1. मिथिला भाषा रामायण

1.1 महाभारत

1.2 शकुन्तला महाकाव्य

1.3 एकावली परिणय

1.4 अहिरावन वध

2. में मिथिलाक

2.1 शस्त्र

2.2 शास्त्र

2.3 धर्म

2.4 अर्थ

2.5 काम

2.6 मोक्ष

2.7 सांख्य

2.8 दर्शन

2.9 धर्म शास्त्रक दिग् दर्शन

प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष तृतीय सत्रार्द्ध

पाठ्यांश-02 **अध्ययनांक-4**

Course-02 उच्चारण कौशल **Total credits-04**

संक्षेप मिथिला भाषा रामायण		
1.	संक्षेप मिथिला भाषा रामायण 1-34 श्लोक	1. मिथिलाभाषा रामायण 2. राम चारूभाइकजन्म 3. उत्सव 4. उपनयन संस्कार 5. गुरू सँ-शिक्षा-दीक्षा 6. शस्त्र-शास्त्रक 7. अनुपम कौशल 8. अहल्या उद्धार 9. धनुष भंग 10. अयोध्या में उत्सव 11. सीतासंग विवाह 12. अयोध्या में सीताजीक स्वागत सत्कार
संक्षेप मिथिलाभाषा रामायण		
2.	मिथिलाभाषा रामायण 34-66	1. रामक वन गमन 2. दशरथक अवसान 3. राम भरतक मिलन 4. भरत द्वारा केकैक त्याग 5. भरत नन्दी गाम में 6. रामक पादुकाक पूजा 7. खरदूषणक संहार 8. शूर्पनखाक नाक लक्ष्मण द्वारा काटब 9. मृग द्वारा राम संग छल 10. सीता जी क हरण 11. जटायु क वध
संक्षेप मिथिलाभाषा रामायण		**क्रेडिट-1(15 घण्टा)**
3.	संक्षेप मिथिला भाषा रामायण 66-100	1. हनुमान के रामजी सँ भेट 2. राम कँ सुग्रीव से मित्रता 3. राम द्वारा बालीक वध 4. सुग्रीव किष्किन्धाक राजा 5. हनुमान द्वारा समुद्रलंघन 6. हनुमान कँ लंका में प्रवेश 7. अशोक वाटिका में सीताक दर्शन 8. लंका दहन 9. हनुमान द्वारा सीता क वृतंात 10. राम जी देल 11. वानर द्वारा समुद्र पर सेतु 12. राम के लंका में प्रवेश
समास		
4.		1. समास 2. विग्रह 3. समासक भेद 4. समासार्थ 5. तत्पुरूष सामान्य कर्मधारय द्विगु नञ्प्रमृति 6. बहुव्रीहि 7. द्वन्द्व 8. अव्ययीभाव 9. पूर्वोत्तरपदयो विशेष 10. समासक भेद आ विस्तार